LANGUAGE and LEARNING FOUNDATION
Strong Foundation, Stronger Future.

विद्यालयों में प्रिंट-समृद्ध वातावरण को बढ़ावा देना

टीचर मेंटर: आशीष कुमार त्रिपाठी
स्थान: फतेहपुर, उत्तर प्रदेश
अनुभव: 4+ वर्ष

प्रिंट समृद्ध वातावरण के महत्त्व व ज़रूरत की पहचानना:

टीचर मेंटर आशीष सर समझते हैं कि बच्चों का सीखने का माहौल उनकी साक्षरता (literacy) को गहराई से प्रभावित करता है। कक्षा भ्रमण के दौरान उन्होंने देखा कि अधिकांश दीवारें खाली थीं और प्रिंट सामग्री बहुत कम थी। इससे बच्चों को किताबों के बाहर लिखित शब्दों से जुड़ने के अवसर नहीं मिल पा रहे थे।

परिवर्तन की दिशा में कदम: शिक्षकों को मार्गदर्शन

शिक्षकों के साथ बातचीत में उन्होंने पाया कि कई शिक्षक यह नहीं जानते थे कि प्रिंट-समृद्ध वातावरण बच्चों के सीखने में कितना मददगार हो सकता है। अधिकतर कक्षाओं में केवल ब्लैकबोर्ड और कुछ स्थायी चार्ट लगे होते थे।
आशीष सर ने उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए एक मॉडल कक्षा तैयार की — जिसमें शब्द-दीवारें (Word Walls), लेबल किए गए सामान, और इंटरएक्टिव चार्ट शामिल थे। इस तरह उन्होंने दिखाया कि प्रिंट को सिखाने की प्रक्रिया में कैसे सार्थक तरीके से जोड़ा जा सकता है।

शिक्षकों और विद्यार्थियों को सशक्त बनाना

आशीष सर ने शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे खुद सस्ते और स्थानीय साधनों से शिक्षण सामग्री बनाएं — जैसे छात्रों की कॉपियों से चार्ट, पुराने अखबारों से शब्द कार्ड, और बच्चों के स्वयं के लिखे हुए पोस्टर।
उन्होंने बच्चों को अपनी कहानियाँ लिखने, 'शब्द दीवार' में योगदान देने और कक्षा में लगी प्रिंट सामग्री के साथ खेल-खेल में सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

LANGUAGE and LEARNING FOUNDATION
Strong Foundation, Stronger Future.

दिखाई देने वाला बदलाव

कुछ ही हफ्तों में परिवर्तन साफ दिखने लगा। शिक्षकों ने अपने बनाए चार्ट और पोस्टर दीवारों पर लगाए, और बच्चे उत्साह से शब्द दीवारों और कहानी पोस्टरों से जुड़ने लगे।
कक्षाएँ अब जीवंत और रंगीन बन गईं — जहाँ सीखना केवल किताबों तक सीमित नहीं रहा।

निरंतर प्रयास और स्थायी असर

इस सकारात्मक बदलाव से प्रेरित होकर, आशीष सर लगातार शिक्षकों को मेंटर कर रहे हैं ताकि यह प्रिंट-समृद्ध माहौल लंबे समय तक बना रहे। उनका प्रयास दिखाता है कि छोटे लेकिन सोच-समझकर किए गए कदम स्कूलों को रोचक और सीखने के लिए प्रेरित स्थानों में बदल सकते हैं।

विस्तार योग्य मॉडल

आशीष सर का यह प्रयास केवल एक कक्षा तक सीमित नहीं है — यह एक ऐसा मॉडल है जो बड़े स्तर पर भी लागू किया जा सकता है।
उनका दृष्टिकोण बताता है कि यदि शिक्षक मार्गदर्शन और सहयोग से सशक्त हों, तो हर कक्षा बच्चों के लिए एक साक्षरता-समृद्ध वातावरण बन सकती है।